साांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 10 ● अंकः 315 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 23 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

मनुष्य तब तक शक्तिशाली है जब तक वह किसी शशक्त योजना का प्रतिनिधित्व करता है, और जब वह इसका विरोध करता है तो निर्बल हो जाता हैं।

-सिगमंड फ्रायड

भारत ने इंडीज को 211 रन से... 7 | यूपी में लोकतंत्र के मायने...खुद... 3 | प्रभुत्ववादियों को सत्ता से हटाना... 2

संजय जोशी के अध्यक्ष बनने की खबरों ने मचाया कोहराम अब क्या करेंगे मोदी और शाह

» सजंय जोशी की ताजपोशी तय, बनेंगे बॉस!

» संघ प्रमुख का बयान और यूपी में एक्टिव तोगड़िया तो इसी ओर इशारा कर रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संजय जोशी की भव्य वापसी तय है। यह किस रूप में होगी, उन्हें क्या जिम्मेदारी मिलेगी? इस पर मंथन चल रहा है। इन खबरों के बाहर आने के बाद से भाजपा में कोहराम मच गया है। अब चर्चा ये भी चल रही है कि मोदी व शाह का क्या होगा। संघ प्रमुख के हालिया बयान, प्रावीण तोगड़िया का दोबारा से एक्टिव होना और संजय जोशी के आवास पर समर्थकों का ताता लगना इस ओर इशारा कर रहा है कि वह जेपी नड्डा का कार्यकला खत्म होने के बाद भारतीय जनता पार्टी की कमान संभालेंगे।

राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता प्रावीण भाई तोगड़िया इन दिनों उत्तर प्रदेश को मथ रहे हैं। जिलों—जिलों का दौरा कर रहे तोगड़िया भड़काऊ बयान दे रहे हैं और बंद अल्फाज़ों में पीएम मोदी की आलोचना कर रहे हैं। वहीं संघ प्रमुख मोहन भागवत का बयान कि राम मंदिर निर्माण से कोई हिंदू नेता नहीं बन जाता, हमे विश्वगुरू बनना है न कि महाशक्ति यह बताने के काफी है कि उनका दिल पीएम मोदी से भर गया है। और संघ और बीजेपी में हाशिये पर पड़े लोगों का उद्धार होना चाहिए। संजय जोशी, प्रावीण तोगड़िया, अशोक सिंघल, उमा भारती, लालकृष्ण अडवाणी सरीखे ऐसे दर्जनों चेहरे हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन संघ परिवार और उसकी विचारधारा को समर्पित कर दिया। लेकिन सरकार बनने के बाद यह लोग नेपथ्य में चले गये और राजनीति की मुख्यधारा से काट दिये गये। इन लोगों में सिर्फ राजनाथ सिंह सरीखे इक्का दुक्का चेहरे ही हैं जो संतुलन बनाने में कामयाब रहे।

कई अन्य लोगों के नाम की भी चर्चा

संजय जोशी को भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष बनाया जा सकता है या संगठन मंत्री। इसके अतिरिक्त शिवराज सिंह चौहान का नाम भी अध्यक्ष पद के लिए चल रहा है। संघ के अंदरखाने की खबरों पर यदि यकीन करे तो फरवरी 2025 के बाद देश की राजनीति में कुछ बड़ा होने की आहट है। सरकार और संगठन दोनों में उपर से नीचे तक फेरबदल की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है।

बन रहा है बदलाव का योग

फिर आया पोस्टर

उत्तर प्रदेश में प्रावीण तोगड़िया की यात्रा धीरे–धीरे आगे बड़ रही है और वह पुराने लोगों तक पहुंच बना रहे हैं। उनकों मैदान में इसलिए उतारा गया है कि हाशिये पर पड़े लोगों को एक बार फिर से पुर्नजीवित किया जाए और उन्हें जिम्मेदारी दी जाए। वहीं संजय जोशी के पक्ष में लखनउ में पोस्टर और होर्डिंग्स लगवाई जा रही है। आत्मनिर्भर भारत विषय पर संजय जो?शी लगातार सेमिनार कर रहे हैं। पिछले 10 दिनों मे उनके दो बड़े कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं। लखनउ स्थित भारतीय जनता पार्टी के गेट के बहार और इर्दगिर्द भी होर्डिंग्स लगवाई गयी है।

नये साल में बहुत कुछ नया होगा

संघ से जुड़े पूर्व वरिष्ठ प्रचारक ने बताया कि मकर सक्रांति के बाद केन्द्र सरकार में बड़ा राजनीतिक उथल पुथल मचेगा। यदि उनकी बात पर विश्वास किया जाए तो इस बार के बदलाव में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किंग बनकर उभर रहे हैं। शिवराज के हाथ में कमान जा रही है और यदि ऐसा नहीं हुआ तो सजंय जोशी का बॉस बनना तय है। उन्होंने और भी बहुत कुछ बताया लेकिन सबकुछ लिखा नहीं जा सकता। बस इतना समझा जा सकता है कि संघ प्रमुख नये साल में बहुत कुछ नया होने की स्क्रिप्ट पर अपने सिग्नेचर कर चुके हैं।

आखिर कैसे बन रहा है संजय जोशी का योग!

राजनीतिक खगोलशास्त्रियों की दूरबीन में आने वाले समय की धुंधली सी तस्वीर का जो अक्स बन रहा है उसमें जिंदा बचे पुराने लोगों को सरकार और सत्ता में समायोजित करने का काल दिखायी दे रहा है। सजंय जोशी लंबे समय से राजनीतिक वनवास झेल रहे हैं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी है और वह कोशिशों में लगे हैं। तमाम बंदिशों के बाद भी संजय जोशी ऐसा नाम और चेहरा है जो अपने लिए न सही लेकिन किसी दूसरे के लिए जो चाहे करवा सकता है और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों बिना उनकी सहमति के नहीं बनते है। आज भी संजय जोशी के जन्म दिन पर उनके आवास पर किसी मुख्यमंत्री के जन्म दिन मनाने के लिए इक्टठा हुए लोगों जितनी भीड़ जमा हो ही जाती है। राज्यों के गवर्नर हो या फिर मुख्यमंत्री सजंय जोशी अगर किसी के लिए सिफारिश कर दें तो वह मना नहीं कर पाते।

विपक्ष ने मोदी की काट निकाल ली है

अब यह बदलाव क्यों हो रहा है इसको समझना जरूरी है। दरअसल मोदी के विजयी रथ पर विपक्ष ने ब्रेक लगा दिये हैं। जिन वायदों को लेकर मोदी का उदय हुआ था वह सभी वायदे पूरे किये जा चुके हैं। वायदा वन नेशन वन इलेक्शन का था जोकि प्रस्ताव पारित हो गया। अब बड़ा सवाल यही है? कि नया क्या? संघ प्रमुख ने अपने बयान में कहा है कि देश संविधान से चलेगा, महाशक्ति जैसा कुछ नहीं होगा? और राम मंदिर बनाने से कोई हिंदू नेता नहीं बन जाता। इसका मतलब यही है कि पीएम मोदी और उनकी टीम से संघ प्रमुख खुश नहीं है।

प्रभुत्ववादियों को सत्ता से हटाना पड़ेगा : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने पीडीए को लिखा पत्र

» बोले- डॉ. अंबेडकर का अपमान सपा नहीं करेगी बर्दाश्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर एकबार फिर निशाना साधा। उन्होंने पीडीए को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा। जिसमें उन्होंने कहा कि हम सबको एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से बाहर करना होगा।

अखिलेश यादव ने अपने पत्र में लिखा कि प्रिय पीडीए समाज, प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के लिए बाबासाहेब सदैव से एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने संविधान बनाकर शोषणात्मक-नकारात्मक प्रभुत्ववादी सोच पर पाबंदी लगाई थी। इसीलिए ये प्रभुत्ववादी हमेशा से बाबासाहेब के खिलाफ रहे हैं और समय-समय पर उनके अपमान के लिए तिरस्कारपूर्ण बयान देते रहे हैं। प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों ने कभी भी बाबसाहेब के सबकी बराबरी के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया क्योंकि ऐसा करने से समाज एक समान भूमि पर बैठा दिखता, जबकि प्रभुत्ववादी और उनके संगी-साथी चाहते थे कि उन जैसे जो सामंती लोग सदियों से सत्ता और धन पर कब्जा करके सदैव ऊपर रहे हैं वो हमेशा ऊपर ही रहें और पीडीए समाज के जो लोग शोषित, वंचित, पीड़ित हैं वो सब सामाजिक सोपान पर हमेशा नीचे ही रहें।

बाबसाहेब ने इस व्यवस्था को तोड़ने के लिए शुरू से आवाज ही नहीं उठाई बल्कि जब देश आज़ाद हुआ तो संविधान बनाकर उत्पीड़ित पीडीए समाज की रक्षा का कवच भी बनाकर दिया। आज के प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के वैचारिक पूर्वजों ने बाबासाहेब के बनाए संविधान को अभारतीय भी कहा और उसे सभ्यता के विरुद्ध भी बताया क्योंकि संविधान ने उनकी परंपरागत सत्ता को चुनौती दी थी और देश की 90 प्रतिशत वंचित आबादी को आरक्षण के माध्यम से हक और अधिकार दिलवाया था, साथ ही उनमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की स्थापना भी की थी।

सामाजिक एकजुटता से पीडीए की बनेगी सरकार

अपमान की इस प्रथा को तोड़ने के लिए अब पीडीए समाज के हर युवक, युवती, महिला, पुरुष ने ये ठान लिया है कि वो सामाजिक एकजुटता से राजनीतिक शक्ति प्राप्त करके अपनी सरकार बनाएंगे और बाबासाहेब और उनके संविधान को अपमानित और खारिज करनेवालों को हमेशा के लिए सत्ता से हटा देंगे। और जो प्रभुत्ववादी और उनके संगी- साथ संविधान की समीक्षा के नाम पर आरक्षण को हटाने मतलब नौकरी में आरक्षण का हक मारने का बार-बार षड्यंत रचते हैं, उन्हें ही हटा देंगे। उसके बाद ही जाति जनगणना हो सकेगी और पीडीए समाज को उनकी गिनती के हिसाब से उनका हक़ और समाज में उनकी भागीदारी के अनुपात में सही हिस्सा मिल पायेगा। धन का सही वितरण भी तभी हो पायेगा, हर हाथ में पैसा आएगा, हर कोई सम्मान के साथ सिर उठाकर जी पायेगा और अपने जीवन में खुशियां और खुशहाली को महसूस कर पायेगा। सदियों से पीडीए समाज के जिन चेहरों पर अपमान, उत्पीड़न, दुःख और दर्द रहा है। उन चेहरों पर उज्वल भविष्य की मुस्कान आएगी, और फिर उनके घर परिवार बच्चों के लिए सम्मान से जीने की नयी राह खुल जाएगी। तो आइए मिलकर देश का संविधान और बाबासाहेब का मान व आरक्षण बचाएं और अपने सुनहरे, नये भविष्य के लिए एकजुट हो जाएं।

विरोधियों ने साजिश के तहत वीडियो एडिट कर चलाया : सपा विधायक

भारतीय जनता पार्टी को हिंदू आतंकवादी संगठन कहने के बयान पर समाजवादी पार्टी के विधायक सुरेश यादव उर्फ धर्मराज यादव ने यूटर्न ले लिया। मीडिया को जारी किए गए बयान में विधायक ने

बयान से इनकार करते हुए कहा कि ऐसी बातें सोच भी नहीं सकते। उन्होंने कहा कि विरोधियों ने साजिश के तहत वीडियो एडिट कर चलाया गया है। किसी ने वीडियो भेजा था, इसकी जांच करा ली जाए। हमने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा। फिलहाल इस पूरे प्रकरण के बाद सियासत गर्म हो गई है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से विधायक के बयान की निंदा की जा रही है। बता दें कि शनिवार को शहर के गन्ना संस्थान में आयोजित पार्टी के विरोध प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान विधायक ने भाजपा को हिंदू आतंकवादी संगठन बता दिया। विधायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक हिन्दू आतंकवादी संगठन है। ये पूरी तरह से देश को बर्बाद करना चाहता है। हमारे महापुरुषों के बारे में इतनी गलत बातें करेंगे, समाजवादी चुप बैठने वाले नहीं। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। हालांकि, अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

नीतीश के नेतृत्व में बिहार विस का अगला चुनाव लड़ेगा राजग : सम्राट

» बोले- भाजपा में कोई भ्रम नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अगले साल बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ेगा।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह पूछे जाने पर कि आगामी विधानसभा चुनाव में क्या राजग कुमार को अपने नेता के तौर पर पेश करने पर पुनर्विचार कर सकता है, तो इसपर उन्होंने कहा, कोई भ्रम नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में यह पूछे जाने पर कि क्या राजग मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए बिना बिहार में चुनाव में जा सकता है, जैसा कि हाल ही में उसने

महाराष्ट्र में किया था, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष शाह ने था, हम एक साथ बैठेंगे और फैसला करेंगे। निर्णय लेने के बाद हम आपको बताएंगे। उनकी इस प्रतिक्रिया से ये अटकलें तेज हो गई थीं कि भाजपा 2025 के चुनावों में कुमार को मुख्यमंत्री के रूप में पेश नहीं करने पर जोर दे सकती है। चौधरी ने अटकलों को खारिज करते हुए कहा, बिहार में राजग नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रहा है और हम दोनों नेताओं के नेतृत्व में चुनाव लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा,2020 में हमने (कुमार को राजग का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने के बाद) चुनाव लड़ा और आज तक हमने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केवल (बिहार में एनडीए नेता के रूप में) माना है।

एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं बीजेपी व कांग्रेस : मायावती

बोलीं- महापुरुषों को भरपूर आदर-सम्मान केवल बसपा की सरकार में ही मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की डॉ. भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस का उतावलापन विशुद्ध छलावा व स्वार्थ की राजनीति है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर का अमित शाह द्वारा संसद में किए अनादर को लेकर देश भर में लोगों में भारी आक्रोश है लेकिन उनकी उपेक्षा व देशहित में उनके संघर्ष को हमेशा आघात पहुंचाने वाली कांग्रेस पार्टी का इसको लेकर उतावलापन विशुद्ध छलावा व स्वार्थ की राजनीति है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का नाम लेकर उनके अनुयाइयों के वोट के स्वार्थ की राजनीति करने में कांग्रेस व भाजपा एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं व बाबा साहेब के आत्म-सम्मान के कारवां को आगे बढ़ने से रोकने के लिए सभी

पार्टियां बसपा को आघात पहुंचाने के षडयंत्र में लगी रहती हैं। वास्तव में बाबा साहेब सहित बहुजन समाज में जन्मे महान संतों, गुरुओं और महापुरुषों को भरपूर आदर-सम्मान केवल बसपा की सरकार में ही मिल पाया जो इन जातिवादी पार्टियों को हजम नहीं। खासकर सपा ने तो द्वेष के तहत नए जिले, नई संस्थाओं व जनहित योजनाओं आदि के नाम भी बदल डाले। बाबा साहेब पर गृहमंत्री की टिप्पणी के बाद कांग्रेस लगातार भाजपा पर हमलावर है और देश में जगह-जगह आंदोलन किए जा रहे हैं।

अपने शब्दों को वापस लेकर पश्चाताप करें गृहमंत्री : बसपा के प्रदेश अध्यक्ष

बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। इससे दलित और उपेक्षित

वर्गों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। ऐसे में गृह मंत्री को इन शब्दों को वापस लेकर पश्चाताप करना चाहिए। वह बहू बेगम मकबरा स्थित कार्यालय पर बसपा की जिला स्तरीय बैठक में बोल रहे थे। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि 24 दिसंबर को सदर तहसील के सामने हेमू कालाणी तिकोनिया पार्क में देशव्यापी आंदोलन के तहत सुबह 10 बजे से एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। दोपहर तीन बजे यहां से जुलूस निकालकर रोडवेज होते हुए कलेक्ट्रेट में दोपहर तीन बजे राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा जाएगा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा व इनके सहयोगी दलों का चाल, चरित्र व चेहरा बाबा साहब के प्रति हमेशा संकीर्ण और जातिवादी रहा है। इसके कारण दलित व वंचित वर्ग की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक हालत लगातार बदतर बनी हुई है। मंडल प्रभारी महेंद्र प्रताप आनंद ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों के खिलाफ अन्याय, अत्याचार और इनको संवैधानिक व कानूनी हक देने के बजाय छीनने में भी सभी पार्टियां एक जैसी हैं। बाबा साहब के सम्मान को लेकर सत्ता व विपक्ष के बीच जारी तकरार केवल वोट के स्वार्थ की राजनीति है।

राजग में शामिल होने का कोई इरादा नहीं : तनवीर सादिक

» नेशनल कांफ्रेंस ने खबरों को बताया निराधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)में शामिल होने से इनकार किया और इस संबंध में मीडिया में प्रकाशित खबरों को निराधार बताया।

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि कुछ तथाकथित पत्रकारों द्वारा जम्मू-कश्मीर के लोगों को गुमराह करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से यह खबर फैलाई गई जो एक सफेद झूठ के अलावा और कुछ नहीं है। वह एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। खबर में दावा किया गया था कि जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ पार्टी केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा देने के बदले में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में वापसी की तैयारी कर रही है।

सादिक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, किसी के लिए भी इस तरह की निराधार अफवाहें फैलाना अपमानजनक और गैरजिम्मेदाराना है... मैं इस मनगढ़ंत कहानी के पीछे के व्यक्ति को चुनौती देता हूं: वह तथाकथित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का नाम बताएं, जिनसे उमर अब्दुल्ला ने कथित तौर पर मुलाकात की थी, या फिर तुरंत अपने दावे को वापस लें और सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

यूपी में लोकतंत्र के मायने...खुद को अजेय साबित करने की हसरत

किसी भी कीमत पर मिल्कीपुर चुनाव जीतना चाहते हैं सीएम योगी!

» सपा ने लगाया आरोप- लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है बीजेपी

» कुंदरकी जीत से गदगद हैं मुख्यमंत्री योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में मिल्कीपुर विधानसभा का उपचुनाव जीतकर सीएम योगी खुद को अजेय साबित करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने अपने उपर जिम्मेदारी ओढ़कर कार्रवाई भी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के सरयू अतिथि भवन में डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक कार्यकर्ताओं के साथ मिल्कीपुर चुनाव को जीतने की रणनीति बनाई।

उन्होंने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को समझाते हुए कहा कि जब जब कुंदरकी और कटेहरी सीट जीती जा सकती है तो किसी भी सीट पर चुनाव जीता जा सकता है। हाल ही में समपन्न हुए उप—चुनाव में बीजेपी ने मुस्लिम बाहुल्य कुंदरकी सीट पर विजयश्री प्राप्त की है। यही नहीं अम्बेडकरनगर की कटेहरी विधानसभा सीट जोकि ओबीसी बाहुल्य सीट मानी जाती है पर भी बीजेपी जीती थी। हालांकि सिसामउ विधानसभा सीट बीजेपी नहीं जीत पाई थी। कंदुरकी की जीत से सीएम योगी बहुत खुश हुए थे। अब इस सीट की जीत का मंत्र देकर बीजेपी मिल्कीपुर के दुर्ग के द्वारा खोलना चाहती है।

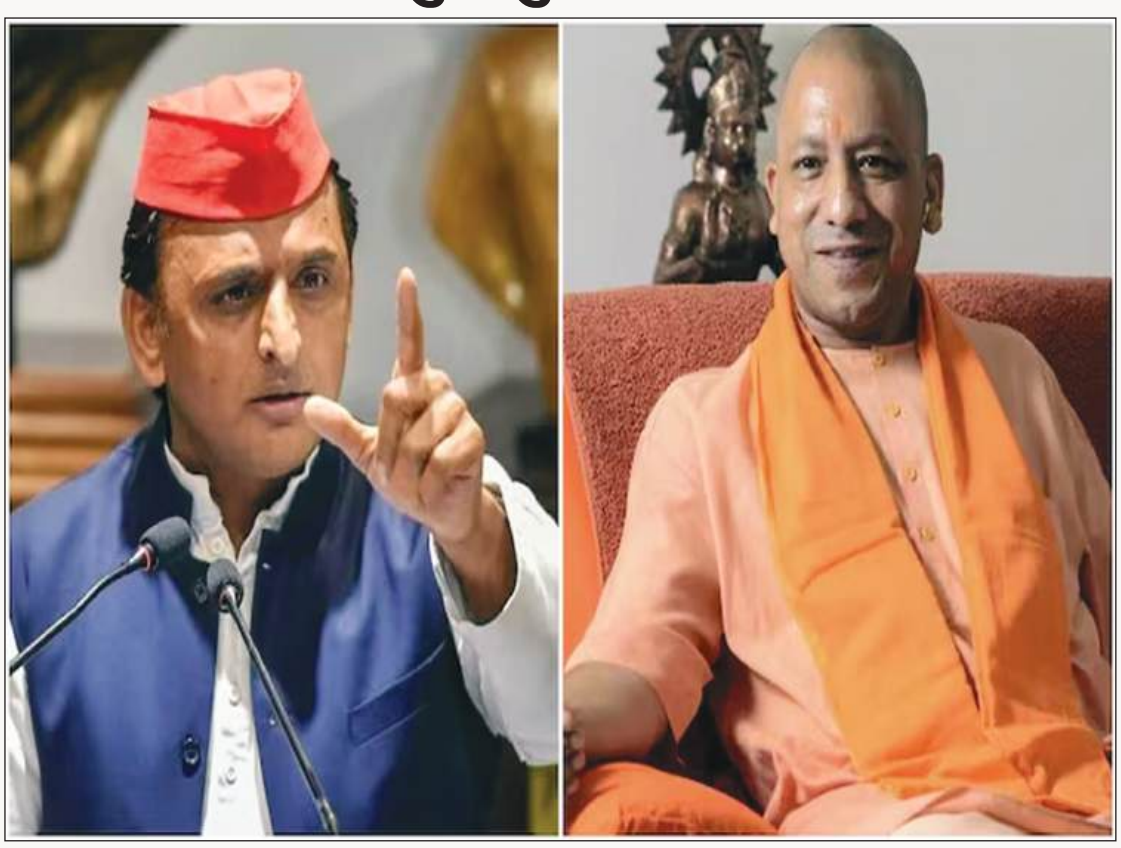

यूपी से भाजपा का सूपड़ा साफ होगा : अखिलेश

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि बीजेपी लोकतंत्र को ही खत्म करना चाहती है। और सीएम योगी का यह बयान उसी परिपाटी में दिया गया बयान है। बीजेपी ने कुंदरकी और कटेहरी समेत दूसरी सीटों पर हुए उपचुनाव में क्या नहीं किया। जनता सब देख रही है और समझ रही है। यदि आज निष्पक्ष चुनाव हो जाएं तो यूपी से बीजेपी का सूपड़ा साफ हो जाए। बीजेपी मिल्कीपुर में भी धन—बल और प्रशासन के बल पर चुनाव जीतने का मंसूबा पाले हैं जो पूरा नहीं होगा।

क्यों जरूरी है मिल्कीपुर की जीत

मिल्कीपुर विधानसभा अयोध्या लोकसभा में आती है। मिल्कीपुर सीट से सपा के अवधेश प्रसाद लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। इस बार अयोध्या की जनता ने बीजेपी के लल्लू सिंह को हरकार अवेधश को अपना सांसद चुना। इस हार का पूरी दुनिया में संदेश गया और परसेप्शन सेट हो गया कि बीजेपी अयोध्या हार सीट हार गयी। बीजेपी ने अयोध्या को मॉडल बना कर पेश किया था। अब बीजेपी यहां से चुनाव जीत कर मैसेज देना चाहती है कि अयोध्या सीट उसको दोबारा से वापस मिल गयी। इस सीट की जिम्मेदारी सीएम योगी ने खुद पीएम मोदी से अपने कंधों पर ली है और उनसे वायदा किया है कि वह यहां पार्टी को जीत दिला कर रहेंगे। शायद इसीलिए मिल्कीपुर विधानसभा का चुनाव दूसरी अन्य विधानसभा चुनाव के साथ नहीं हो सका। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस वर्ष 25 नवंबर को अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं को वापस लेने की अनुमति दी थी, जिससे इस सीट पर उपचुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया। मिल्कीपुर को छोड़कर राज्य की नौ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा और उसकी सहयोगी रालोद (राष्ट्रीय लोक दल) ने सात सीट पर जीत हासिल की थी।

अंबेडकर पर शाह के बयान को और तूल देगी सपा!

डॉ. भीमराव अंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर विपक्षी सांसदों का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। जहां देश की कई पार्टियों ने इस मुद्दे को हवा देकर भाजपा को घेरने तैयारी की है वहीं यूपी की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी सपा भी इसको तूल देने के मूड में है। उसने जहां विधान सभा सत्र में इसको उठाकर सरकार को घेरा वहीं प्रदेश में जोरदार धरना प्रदर्शन करके एनडीए सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की। सूत्रों से ऐसी भी सूचना मिल रही है सपा इस मुद्दे को आगामी आने वाले चुनावों तक जनता के बीच उठाकर भाजपा को बैकफुट पर ले जाने का प्रयास करती रहेगी। इसी क्रम में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव ने भी भाजपा से

माफी की मांग की है। संसद परिसर में शुक्रवार को अखिलेश यादव ने कहा कि संसद की कार्यवाही तो खत्म हो जाएगी लेकिन मुद्दा खत्म नहीं होता है। विपक्ष की मांग है कि उन्हें (अमित शाह) अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। डिंपल यादव ने कहा, हमारी मांग है कि भाजपा के सांसद माफी मांगें क्योंकि उन्होंने न केवल देश के संविधान का अपमान किया है बल्कि उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर का भी अपमान किया है जो देश के हर नागरिक के लिए एक आदर्श थे। भाजपा हमेशा एक पक्ष को लेकर ही आगे बढ़ती है। वो कभी भारत के संविधान, लोकतंत्र और लोगों को लेकर आगे नहीं बढ़ती है। भाजपा को कल की धक्का मुक्की के लिए माफी मांगनी चाहिए क्योंकि इसके लिए केवल भाजपा सरकार और भाजपा सांसद जिम्मेदार हैं। इससे पहले, अखिलेश यादव ने कहा कि देश को आगे ले जाने के लिए बाबा साहेब का संविधान ही हमें रास्ता दिखाता है और भाजपा समय-समय पर संविधान को कमजोर करने की कोशिश करती है। भाजपा के लोग सबसे पहले असंवैधानिक काम करते हैं, अन्याय करते हैं और जब आप पीड़ित लोगों के पक्ष में खड़े होते हैं तो वे आप पर झूठे मुकदमें लगाते हैं। उन्हें(अमित शाह) अपने शब्द वापस लेने चाहिए और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर जी का अपमान नहीं करना चाहिए।

भाजपा पर भारी पड़ रही है सपा

अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा में पिछड़ी जातियां निर्णायक हैं। सपा ने सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को यहां से उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी अभी तक यहां कोई चेहरा नहीं खोज सकी है। जिस प्रकार से बीजेपी ने करहल और मैनपुरी चुनाव में मुलायम सिंह यादव के परिवार के करीबी लोगों को टिकट दिया था उस के आधार पर माना यह जा रहा है कि यहां से अवधेश प्रसाद के किसी करीबी बागी को बीजेपी चुनाव लड़एगी। जो अवधेश को चुनौती दे सके।

समाजवादी छात्रसभा भी दे रहा आंदोलन को धार

बाबा साहब पर केंद्रीय गृहमंत्री की ओर से की गई टिप्पणी से नाराज समाजवादी छात्रसभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन पर उतरे। सपा के छात्र नेता भी अपनी पार्टी के लिए आंदोलन को धार देने के लिए कमर कस लिए हैं। उन्होंने तहसील में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपकर गृहमंत्री को पद से बर्खास्त करने की मांग की। समाजवादी छात्रसभा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने तहसील पहुंचकर नारेबाजी कर तहसीलदार सूरज प्रताप को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन दिया। इस दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विरुद्ध की गई टिप्पणी से उनका अपमान किया गया है। सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने कहा कि बाबा साहब सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि करोड़ों दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों के अधिकारों और न्याय के प्रतीक हैं। उनके प्रति अपमानजनक बयान न केवल उनका, बल्कि पूरे देश का अपमान है। बाबा साहब ने देश को संविधान दिया है, जिसके मुकाबले दुनिया में किसी देश का संविधान नहीं है। संसद में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने बाबा साहब का जिस तरह से मजाक उड़ाया, उससे घृणित और निंदनीय कुछ हो नहीं सकता। संविधान बनाने वाले की शपथ लेकर लोग सत्ता में बैठकर भोग-विलासना की जिंदगी जी रहे हैं। आज उसी महापुरुष का दुनिया के सामने मजाक उड़ाया जा रहा है, जिससे देश का आम जनमानस बहुत दुखी है। हम समाजवादी लोग मांग करते हैं कि ऐसे संविधान विरोधी गृहमंत्री को बर्खास्त किया जाए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

देश में डॉक्टरों की भारी कमी को दूर किया जाए

कोर्ट की टिप्पणी इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं देश में अस्पताल तो बन रहें पर वहां पर चिकित्सकों समेत उसके सहयोगी स्टाफ की भारी कमी है। ऐसी खबरें देश के सुदूर ग्रामीण अंजल ही नहीं शहरी क्षेत्रों से आती हैं कि चिकित्सा सुविधा की कमी से जहां मरीजों की मौत हो गई। यहीं नहीं कभी-कभी तो अस्पतालों की कमी को लेकर जनआंदोलन भी होते रहते हैं।

पीएम मोदी हर मंच से दावा करते हैं भारत में चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। पर उनके इस दावे की कलई सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी ने खोल दी है। दरअसल उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऐसे समय में जब देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, ''कीमती'' मेडिकल सीटें बर्बाद नहीं होनी चाहिए। इस टिप्पणी के बाद सरकार को एकबार फिर अपनी स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करनी चाहिए। कोर्ट की टिप्पणी इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं देश में अस्पताल तो बन रहें पर वहां पर चिकित्सकों समेत उसके सहयोगी स्टाफ की भारी कमी है। ऐसी खबरें देश के सुदूर ग्रामीण अंजल ही नहीं शहरी क्षेत्रों से आती हैं कि चिकित्सा सुविधा की कमी से जहां मरीजों की मौत हो गई। यहीं नहीं कभी-कभी तो अस्पतालों की कमी को लेकर जनआंदोलन भी होते रहते हैं। हाल में कोराना संकट के बाद महसूस किया गया कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान बेहद उपयोगी साबित हुआ है।

तनाव और चिंता से ग्रसित इस युग में, आधुनिक मनोवैज्ञानिकों के लिए चुनौती बने हुए कई रोगों के लिए यह प्राचीन प्रथा एक शक्तिशाली उपचार प्रदान करती है। नियमित ध्यान अभ्यास से व्यक्तियों का तनाव कम होता है, नकारात्मक सोच का चक्र टूटता है, इसलिए स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त होना जरूरी है। इसी क्रम में न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दाखिल देने वाले प्राधिकारियों को विशेष काउंसलिंग आयोजित करने और 30 दिसंबर तक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने को कहा। न्यायालय ने प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रिक्त सीटों को भरने के लिए नये सिरे से काउंसलिंग आयोजित करें। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दाखिल देने वाले प्राधिकारियों को विशेष काउंसलिंग आयोजित करने और 30 दिसंबर तक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने को कहा। पीठ ने आदेश दिया, ''विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों तथा इस बात पर ध्यान रखते हुए कि देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, बहुमूल्य मेडिकल सीटें व्यर्थ नहीं जानी चाहिए, हम अंतिम अवसर के रूप में अवधि बढ़ाने के लिए इच्छुक हैं। शीर्ष अदालत ने यह आदेश उन याचिकाओं पर विचार करते हुए दिया, जिनमें दाखिला देने वाले प्राधिकारियों को पांच दौर की काउंसलिंग के बाद भी खाली बची सीटों के लिए काउंसलिंग का एक विशेष दौर आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि कोर्ट के निर्देश के बाद सरकारें चेतेंगी और चिकित्सा व्यवस्था में दिख रही कमियों को दूर करेंगी और आम लोगों की सुविधाएं का ख्याल रखेंगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एक साथ चुनाव की आकांक्षा से परे भी देखें

अशोक लवासा

मतदाता और निर्वाचित प्रतिनिधि के बीच संबंध मांग और आपूर्ति जैसा है। लोकतंत्र में जनता द्वारा चुनकर आए प्रतिनिधि वोटर की आकांक्षाओं की पूर्ति करने की दिशा में काम करते हैं। सत्तारूढ़ पार्टी जहां अपने चुनावी वादों पर अमल करने की कोशिश करती है वहीं कभी-कभी अपना वह दृष्टिकोण लागू करने को काम करती है, जो उसके हिसाब से लोगों और देश के लिए अच्छा है। 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' का संकल्प भाजपा के चुनाव घोषणापत्र का हिस्सा तो हो सकता है, लेकिन समाज के किसी भी वर्ग द्वारा इसकी मांग नहीं की गई थी, हालांकि कुछ लोगों को लगता है कि भारत 'बहुत अधिक लोकतंत्र' से ग्रस्त है। किंतु, सत्तारूढ़ पार्टी 'एक देश-एक चुनाव' की खूबियों को लेकर काफी आश्वस्त है, यह उसके नेतृत्व द्वारा बार-बार किए दावों और जिस प्रकार का मसौदा राम नाथ कोविंद समिति बनाते वक्त सौंपा गया था, उससे स्पष्ट है।

इसकी सिफारिशें पहले से तय निष्कर्ष हैं, लेकिन जिस तेजी से सरकार ने इस पर काम किया, उसने कई लोगों को चौंकाया। खंडित जनादेश से टिकी एनडीए सरकार से बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि वह इस मामले को इतनी शिद्दत से आगे बढ़ाएगी, खासकर जब इस पर कार्यान्वयन होना दूर की कौड़ी है। एक व्यवस्था जो एक दशक बाद लागू होनी है, उस पर कानून बनाने की सरकार की जल्दबाजी वाली 'दूरदर्शिता' दिलचस्प है। साल 2024 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक (नारीशक्ति वंदन अधिनियम) पारित करने में इसी किस्म की तत्परता दिखाई थी। फर्क यह कि महिलाओं वाला विधेयक पारित करने में सभी पक्ष एकमत थे, वहीं 'एक देश-एक चुनाव' संबंधी 129वें संविधान संशोधक विधेयक की वांछनीयता पर मतभेद हैं। सरकार को विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को भेजने में आपत्ति नहीं हुई क्योंकि उसे पता था इससे विपक्ष संतुष्ट होगा और उसकी अपनी खुली सोच झलकेगी।

जल्दबाजी में विधेयक पारित करना उद्देश्य नहीं हो सकता, इसे पटल पर लाना और आम सहमति की संभावना खोलना मंतव्य है ताकि लगे कि वे 'बड़े' चुनावी सुधार पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। लेकिन क्या ऐसा है? संविधान में इस आशय का स्पष्ट प्रावधान हुए बिना, 1951 के

बाद से, 15 वर्षों तक देशभर में चुनाव एक साथ होते रहे। लेकिन सत्ता राजनीति के उतार-चढ़ाव और गतिशीलता के कारण यह शृंखला टूट गई। किसी सरकार के पक्ष में या खिलाफ वोट का हक लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व है। बेशक यह विधेयक सत्तारूढ़ पार्टी को दिया समर्थन वापस लेने का हक नहीं छीनता, लेकिन मतदाताओं को ऐसी सरकार चुनने का 'हक' देता है, जो बीच कार्यकाल सदन में बहुमत खोने के बावजूद बाकी अवधि के लिए राज करती रहे। इस प्रकार, एक निवर्तमान निर्वाचित शासन सीमित अवधि के लिए आगामी निर्वाचित विकल्प हेतु मार्ग प्रशस्त करेगा। इस तरह, सब चुनाव एक साथ करने के शौक में मतदाता पांच साल में एक बार खेलने को ऐसी टीम (सरकार) चुनेंगे जिसके मुख्य खिलाड़ी चोटिल होने (बहुमत खोने) के बावजूद वह एक्सट्रा या नाइटवॉचमैन के रूप में शासन करती रहे। इस प्रकार, उपचुनाव में किसी संसद या विधानसभा सदस्य को चुनने के लिए जो प्रणाली अब लागू है, तब वह मध्यावधि चुनाव की स्थिति बनने पर पूरे सदन के लिए लागू हो जाएगी। सांसद इस पर विचार कर सकते हैं कि क्या लोगों के अधिकारों को ऐसे तोड़ना-मरोड़ना लोकतंत्र का चरित्र हनन नहीं? यह द्वैत बनाने से क्या हासिल होगा? क्या एक साथ चुनाव इतना पवित्र उद्देश्य है या फिर लोकतांत्रिक विकल्प प्रदान करने वाले मौलिक सिद्धांत को प्रबंधकीय दक्षता बनाने के अधीन बना दिया जाए? कानून निर्माताओं की समझ की परीक्षा हो रही है।

आखिरकार, संविधान निर्माताओं ने एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान नहीं किया और किसी आपातकालीन स्थिति की अनिवार्यताओं से निबटने के लिए, संवैधानिक ढांचे के भीतर रहते हुए, इस पर निर्णय का काम भारत के चुनाव आयोग पर छोड़ दिया। कोई भी व्यक्ति एक लघु, त्वरित, एकल पूर्वानुमानित प्रक्रिया - खासकर जब इसमें एक अरब लोग शामिल हों - के लाभों पर किंतु-परंतु नहीं कर सकता। चुनाव कराना नियमित लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, लेकिन यह यूपीएससी परीक्षा की तरह नहीं, जो एक तय कार्यक्रमानुसार, साल में एक बार सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है।

तन-मन रोगों के उपचार को वैश्विक मान्यता

हिमालय सिद्ध अक्षर

भारत की सदियों पुरानी मानव कल्याण की विधा ध्यान के महत्व को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। जो इसके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्व की स्वीकार्यता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आज सामाजिक विकृतियों से ग्रस्त समाज में ध्यान से जहां जागरूकता और आत्म मूल्यांकन का विकास होता है वहीं मानवीय मूल्यों का पोषण भी। आज जीवन की बढ़ती जटिलताओं और भागमभाग की जिंदगी में ध्यान एक परिवर्तनकारी अभ्यास के रूप में उभरा है। निश्चित रूप से ध्यान मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही वजह है कि वैश्विक शांति और व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में ध्यान के सार्वभौमिक महत्व को स्वीकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 दिसंबर की विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषणा करके ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

हाल के वर्षों में कोराना संकट के बाद महसूस किया गया कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान बेहद उपयोगी साबित हुआ है। तनाव और चिंता से ग्रसित इस युग में, आधुनिक मनोवैज्ञानिकों के लिए चुनौती बने हुए कई रोगों के लिए यह प्राचीन प्रथा एक शक्तिशाली उपचार प्रदान करती है। नियमित ध्यान अभ्यास से व्यक्तियों का तनाव कम होता है, नकारात्मक सोच का चक्र टूटता है, आंतरिक शांति को विकसित करने की क्षमता उजागर होती है। हालिया अनेक वैज्ञानिक शोधों ने व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान के गहरे प्रभाव को दर्शाया है। न्यूरोलॉजिकल अध्ययनों से पता चलता है कि लगातार ध्यान करने से मस्तिष्क सक्रिय होता है। मस्तिष्क में स्थित 'अमिगडाला' की सक्रियता को कम कर सकता है- यह वो क्षेत्र है जो भय और तनाव प्रतिक्रियाओं हेतु जिम्मेदार है। इस न्यूरोप्लास्टिकिटी का मतलब है कि चुनौतीपूर्ण स्थितियों में व्यक्ति के प्रतिक्रिया देने के तरीके को मौलिक रूप से बदल सकते हैं। डिप्रेशन मैनेजमेंट एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहां ध्यान उल्लेखनीय क्षमता दिखाता है।

अध्ययनों से पता चला है कि ध्यान (माइंडफुलनेस मेडिटेशन) के द्वारा मध्यम स्तरीय डिप्रेशन का औषधीय उपचार जितना ही प्रभाव हो सकता है। विचारों को गहराई से देखने की क्षमता विकसित होने के कारण ध्यान घातक मानसिक पैटर्न को तोड़ने में मददगार है और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। ध्यान का वास्तविक लाभ, तनाव कम करने से बहुत अधिक है। वैज्ञानिक शोध से संकेत मिलता है कि नियमित ध्यान अभ्यास मस्तिष्क की संरचना को शारीरिक रूप से बदल सकता है, विशेष रूप से स्मृति, शिक्षा और भावनात्मक संतुलन से जुड़े क्षेत्रों में। ध्यान करने वाले व्यक्ति गहरी एकाग्रता, बेहतर रचनात्मकता और परिष्कृत समस्या-समाधान कौशल विकसित होने की पुष्टि करते हैं। कामकाजी लोगों और छात्रों के लिए, ध्यान फोकस और मानसिक स्पष्टता में सुधार के लिए एक प्राकृतिक तरीका है।

मन को एकाग्र रखने व व्याकुलता को कम करने हेतु प्रशिक्षित करके, व्यक्ति बेहतर कार्य कर सकते हैं। ध्यान का प्रभाव केवल मानसिक प्रक्रियाओं तक ही सीमित नहीं है; यह शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है। कई चिकित्सा अध्ययनों ने विभिन्न शारीरिक प्रणालियों पर इसके सकारात्मक प्रभावों का प्रमाण दिया है। नियमित अभ्यासकर्ताओं को निम्न रक्तचाप, बेहतर प्रतिरोधक क्षमता और शारीरिक सूजन में कमी का अनुभव होता है। नियमित ध्यान अभ्यास से हृदय पर होने वाले प्रभाव विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। तनाव कम करके और शिथिलता को बढ़ावा देकर, ध्यान हृदय पर प्रभाव डालने वाले कई कारकों को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, इसे श्वसन क्रिया में सुधार और समग्र शारीरिक लचीलेपन से भी जोड़ा गया है। ज्ञान का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है बेहतर नींद का आना। अनिद्रा के इस युग में, ध्यान एक प्राकृतिक समाधान प्रदान करता है। तंत्रिका तंत्र को शांत करके और मानसिक तनाव को कम करके, यह व्यक्तियों को आसानी से निद्रा में जाने और आरामदायक, बेहतर शयन का आनंद लेने में मदद करता है। इतना ही नहीं गंभीर दर्द से पीड़ित लोगों को ध्यान के माध्यम से महत्वपूर्ण राहत मिली है।

मस्तिष्क दर्द संकेतों को संसाधित करके,यह अभ्यास दर्द की धारणा को कम कर सकता है और दर्द की सहनशीलता में सुधार लाता है। यह पारंपरिक चिकित्सा के साथ मूल्यवान सहायक के रूप में कार्य करता है। ध्यान के सबसे प्रभावशाली लाभों में से एक इसकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाने की क्षमता है। नियमित अभ्यासकर्ताओं में बढ़ी हुई आत्म-जागरूकता, बेहतर सहानुभूति और अधिक परिष्कृत भावनात्मक संतुलन विकसित होता है। ये कौशल बेहतर रिश्तों, व्यक्तिगत और व्यावसायिक बातचीत के लिए अधिक उदार दृष्टिकोण में तब्दील होते हैं। ध्यान का असली सौंदर्य इसकी सुगमता में है। कई स्वास्थ्य प्रथाओं के विपरीत, ध्यान के लिए किसी विशेष उपकरण, महत्वपूर्ण वित्तीय निवेश या व्यापक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती। प्रतिदिन 10-15 मिनट भी सार्थक परिणाम दे सकते हैं। प्रकृति की लय के साथ तालमेल बिठाकर, अभ्यासकर्ता संतुलन, शांति और आध्यात्मिक सद्भाव विकसित कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

गुड़ में पोटैशियम और सोडियम पाया जाता है, जो शरीर में एसिड को कम करने में प्रभावी होता है। साथ ही इससे रेड ब्लड सेल्स स्वस्थ रहते हैं। रोजाना सुबह के समय 1 टुकड़ा गुड़ खाने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। गुड़ को अपनी डाइट में शामिल करने से आप अपने हाई या फिर लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं क्योंकि इसमें पोटैशियम और सोडियम होता है जो ब्लड लेवल को मेंटेन करने में मदद करता है।

पाचन को स्वस्थ्य रखता है

गुड़ में मौजूद गुण पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अगर आप रोजाना सीमित मात्रा में गुड़ खाते हैं, तो इससे आपको कब्ज से राहत मिलती है और पाचन के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

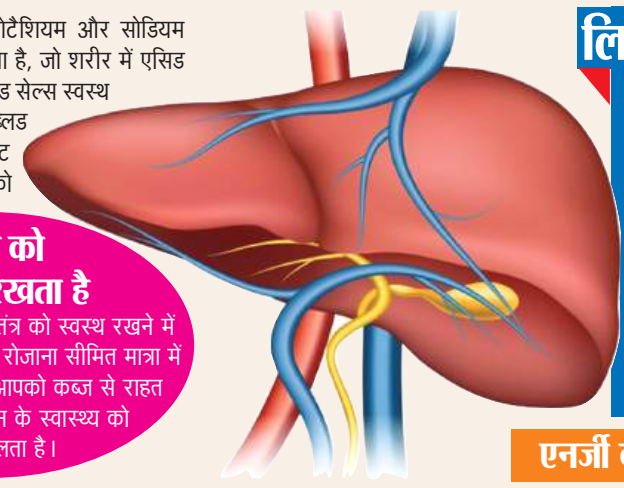

लिवर को स्वस्थ रखता है

लिवर जरूरी अंगों में से एक है, जिसे अपने कई अहम कार्यों के लिए जाना जाता है। लिवर न सिर्फ पाचन और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है, बल्कि यह पोषक तत्वों के भंडारण के साथ ही शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी अहम भूमिका भूमिका निभाता है। ऐसे में लिवर ध्यान रखना बेहद जरूरी है, ताकि यह अपना कार्य सही तरीके से कर सके। गुड़ में डिटॉक्सीफाइंग गुण पाए जाते हैं, इसे खाने से लिवर भी स्वस्थ रहता है, इसलिए आप चीनी की जगह गुड़ खाएं, जिससे लिवर की बीमारियों से बचे रहेंगे।

चीनी से बेहतर है गुड़

दुनियाभर में मीठा खाने के शौकीनों की कमी नहीं है। अक्सर लोग खाना खाने के बाद मीठा खाना पसंद करते हैं, लेकिन ज्यादा मीठा खाने के कारण डायबिटीज होने का भी खतरा रहता है, इसलिए आप चीनी की जगह खाने में गुड़ का इस्तेमाल करें, तो सेहत के लिए बेहतर होगा। चीनी में पोषक तत्वों की मात्रा न के बराबर होती है और इसमें कैलोरी भरपूर होती है तो वहीं गुड़ में आयरन, पोटैशियम, फास्फोरस, मैग्नेशियम जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए जरूरी हैं।

एनर्जी बूस्टर के रूप में काम करता है

आयरन से भरपूर गुड़ एनर्जी बूस्टर के रूप में काम करता है। इसमें आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, कॉपर और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, इसके अलावा गुड़ में विटामिन-बी भी पाया जाता है, तो वहीं चीनी में कैलोरी की मात्रा होती है। ऐसे में खाने में चीनी की जगह गुड़ शामिल करना आवश्यक है।

इसके हैं ढेरों फायदे

जोड़ों में दर्द से छुटकारा

सुबह गुड़ का सेवन करने से जोड़ों में दर्द की परेशानी को दूर किया जा सकता है। यह गठिया में होने वाली अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में प्रभावी है। दरअसल, सुबह के समय गुड़ खाने से शारीरिक और हड्डियों की संचरना बेहतर होती है, जिससे जोड़ों में होने वाले दर्द और सूजन की परेशानी को कम करता है।

मूड स्विंग्स से राहत दिलाए

अगर आप रोजाना गुड़ का छोटा टुकड़ा खाते हैं, तो इससे मूड स्विंग्स से निपटने में राहत मिलती है। इसके अलावा पीरियड्स में होने वाले ऐंठन और पेठ दर्द से भी छुटकारा मिल सकता है।

इम्युनिटी मजबूत होती है

पोषक तत्वों से भरपूर गुड़ इम्यून सिस्टम को मजबूत रखता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है, जो आपको कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। अगर आप खाने में चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे आप कई तरह के संक्रमण से बच सकते हैं।

हंसना मना है

प्रेमिका- तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी- जो तुम चाहो..प्रेमिका- रिंग? प्रेमी-ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंडितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंडित- क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंडित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इस साले ने चिकन में डाला ही क्यों?

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब ये था की जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु-केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

पति- काश! मैं गणपति होता, तुम रोज़ मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता.. पत्नी: हा, काश तुम गणपति होते, मैं रोज़ लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता..!

डॉक्टर- अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या, इनाम दोगे, मरीज- साहब मैं तो बहुत ही गरीब आदमी हूं, कब्र खोदता हूं, आपकी फ्री में खोद दूंगा!

कहानी | गौरैया और बंदर

एक जंगल के घने पेड़ पर गौरैया का जोड़ा रहता था। दोनों खुशी-खुशी अपना जीवन बीता रहे थे। फिर सर्दियों के मौसम में बहुत ही कड़ाके की ठंड पड़ने लगी। ठंड से बचने के लिए एक दिन कुछ बंदर उस पेड़ के नीचे ठिठुरते हुए पहुंचे। तेज ठंडी हवाओं से सभी बंदर कांप रहे थे। वो सोच रहे थे काश कहीं से आग सेंकने को मिल जाती तो ठंड दूर हो जाती। उसी बीच एक बंदर की नजर पास पड़ी सूखी पत्तियों पर पड़ी। उसने दूसरे बंदरों से कहा, चलो इन सूखी पत्तियों को इकट्ठा करके जलाते हैं। और पत्तियों को जलाने का उपाय करने लगे। ये सब पेड़ पर बैठी गौरैया देख रही थी। वो बंदरों से बोल पड़ी, तुम लोग कौन हो?, देखने में तो तुम आदमियों की तरह लग रहे हो, हाथ-पैर भी हैं, तुम अपना घर बनाकर क्यों नहीं रहते? गौरैया की बात सुनकर ठंड से कांप रहे बंदर चिढ़ गए और बोले, तुम अपना काम करो, हमारे काम में पड़ने की जरूरत नहीं है। इतना कहने के बाद वो फिर आग जलाने के बारे में सोचने लगे और अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। इतने में बंदरों की नजर एक जुगनू पर पड़ी। वो चिल्लाने लगा, देखो ऊपर हवा में चिंगारी है, इसे पकड़कर आग जलाते हैं। यह सुनते ही सारे बंदर उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने लगे। ये देख चिड़िया फिर बोल पड़ी, यह जुगनू है, इससे आग नहीं सुलगेगी। तुम लोग दो पत्थरों को घिसकर आग जला सकते हो। बंदरों ने चिड़िया की बात को अनसुना कर दिया। कई कोशिश के बाद उन्होंने जुगनू को पकड़ लिया और फिर उससे आग जलाने की कोशिश करने लगे, पर वो इस काम में कामयाब नहीं हो पाए और जुगनू उड़ गया। इतने में फिर से गौरेया बोल उठी, आप लोग मेरी बात मानिए, पत्थर रगड़कर आप आग जला सकते हैं। इतने में एक गुस्साए हुए बंदर से रहा न गया और उसने पेड़ पर चढ़कर गौरेया के घोसले को तोड़ दिया। यह देख चिड़िया दुखी हो गई और डर कर रोने लगी। इसके बाद वो उस पेड़ से उड़कर कहीं और चली गई।

7 अंतर खोजें

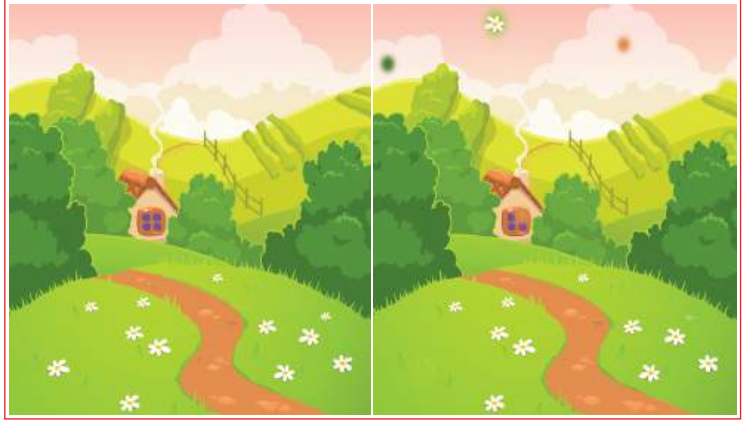

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। निवेश से लाभ होगा।

धनु शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

मकर आज व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान महसूस होगी।

मीन यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बालीवुड में नये सिरे से बदलाव की सख्त जरूरत : वरुण धवन

वरुण धवन को बॉलीवुड में आए एक दशक से ज्यादा हो गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेता ने कहा कि बॉलीवुड को नए सिरे से बदलाव की सख्त जरूरत है। उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और आश्चर्य जताया कि क्या सत्ता में बैठे लोग वास्तव में इस जरूरत को समझते हैं। साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि सुपरस्टार शाहरुख खान और सलमान खान समझ गए हैं कि चीजें कैसे बदल गई हैं। वरुण ने बॉलीवुड के परिदृश्य के बारे में बात की और इस क्षेत्र में और अधिक आवाजों के आने की जरूरत के बारे में बात की। उन्होंने साझा किया कि सत्ता में बैठे लोगों को खुद को फिर से तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम सभी को आगे बढ़ना होगा। जो लोग अभी शक्तिशाली पदों पर हैं, उनकी एक आयु सीमा होती है, जो लोग सालों से एक ही काम कर रहे हैं। वे केवल शीर्ष पर हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे यकीन नहीं है कि वे इसे पहचानते हैं या नहीं, लेकिन समय के साथ बदलाव करना महत्वपूर्ण है। हम सभी को ऐसा करना होगा, जिसमें मैं भी शामिल हूं। यह मुश्किल है, क्योंकि आप बदलाव नहीं चाहते हैं। आने वाले सितारे या जो अभी भी महत्वाकांक्षी हैं, उनके पास ये मंडलियां हैं, लेकिन जो पहले से ही उस मुकाम पर हैं, उनके आस-पास ये लोग नहीं हैं। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान जैसे सितारे, वे भ्रमित नहीं हैं। वे जानते हैं कि क्या हो रहा है। वरुण को लगता है कि इंडस्ट्री में अलग-अलग और नई प्रतिभाओं की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि आजकल ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश करना थोड़ा कठिन हो गया है, क्योंकि लोगों के पास तलाशने और यह तय करने के लिए कई विकल्प हैं कि वे अभिनेता बनना चाहते हैं या प्रभावशाली व्यक्ति या ओटीटी का रास्ता अपनाना चाहते हैं। वहीं, वरुण धवन अगली बार बेबी जॉन में नजर आएंगे, जो 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

25 दिसंबर को तीन हजार स्क्रीन पर दस्तक देने को तैयार बेबी जॉन

वरुण धवन की एक्शन फिल्म बेबी जॉन क्रिसमस के अवसर पर 25 दिसंबर को बड़ी रिलीज के लिए तैयार है। कलीस द्वारा निर्देशित और एटली द्वारा निर्मित, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार शुरुआत की उम्मीद के साथ पहले से ही काफी उत्साह पैदा कर दिया है। रिलीज होने में कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में फिल्म की अच्छी एडवांस बुकिंग देखने को मिल रही है। आइए जान लेते हैं कि वरुण धवन की फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कितने करोड़ रुपये की ओपनिंग ले सकती है-

पीवीआर आईनॉक्स जैसी टॉप सिनेमा सीरीज में फिल्म के 75 हजार से अधिक टिकट बिकने की उम्मीद है और इसका लक्ष्य पहले दिन 15 करोड़ रुपये की कमाई करना है। ऐसी भी संभावना है कि टिकटों की संख्या 80 हजार तक पहुंच सकती है। अगर यह इस लक्ष्य को छूती है, तो फिल्म की मजबूत शुरुआत की उम्मीद है। हालांकि, कोई भी कमी इसकी शुरुआत को प्रभावित कर सकती है।

बेबी जॉन को पूरे भारत में तीन हजार स्क्रीन्स पर रिलीज किया जाएगा, जो पुष्पा-2 के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा में है। जानकारी हो कि अल्लू अर्जुन की फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। बेबी जॉन के निर्माता आशावादी हैं, खासकर इसकी स्टार पावर और क्रिसमस टाइमिंग को लेकर।

हालांकि, स्क्रीन-शेयरिंग के साथ कुछ समस्याएं हैं, जिससे एडवांस टिकट बुकिंग धीमी हो गई है। इन मुद्दों को वीकएंड में हल करने की आवश्यकता होगी। साल 2022 में भेड़िया के दो साल बाद यह वरुण धवन की पहली नाटकीय रिलीज है। वरुण धवन फिल्म में डीसीपी सत्य वर्मा की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्हें बेबी जॉन के नाम से भी जाना जाता है। प्रशंसक उन्हें इस एक्शन से भरपूर रोल में देखने के लिए पहले से ही उत्साहित हैं।

बेबी जॉन के साथ कीर्ति सुरेश अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। इसमें उन्होंने वरुण की पत्नी मीरा रेड्डी वर्मा की भूमिका निभाई है। जैकी श्रॉफ खलनायक बब्बर शेर के किरदार में हैं और शीबा चड्ढा वरुण की ऑन-स्क्रीन मां की भूमिका में हैं। वरुण ने हाल ही में स्पष्ट किया कि बेबी जॉन दलपति विजय अभिनीत तमिल फिल्म थेरी की रीमेक नहीं है। उन्होंने पुष्टि की कि यह बड़े बदलावों के साथ एक रूपांतरण है।

नाना पाटेकर की 'वनवास' की शुरुआत हुई बेहद खराब

अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर स्टारर 'वनवास' का रिलीज से पहले काफी बज बना हुआ था। वहीं 20 दिसंबर को इस फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म की क्रिटिक्स ने काफी सराहना की है लेकिन ये मूवी दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कप पाई और इसकी ओपनिंग काफी खराब रही है। चलिए यहां जानते हैं 'वनवास' ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?

'वनवास' को रिलीज के पहले दिन 'मुफासा: द लायन किंग' के साथ क्लैश करना पड़ा है। वहीं अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' अभी भी ज्यादा स्क्रीनों के साथ बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है ऐसे में नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा की 'वनवास' रिलीज के पहले ही दिन दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आईं। इसी के साथ इस फिल्म की शुरुआत काफी निराशाजनक हुई है। वहीं अब 'वनवास' की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'वनवास' ने रिलीज के पहले दिन महज 0.60 लाख की कमाई की है। हालांकि ये शुरुआती आंकड़े हैं ऑफिशियल नंबर्स आने के बाद इनमें थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है। 'वनवास' की ओपनिंग काफी ठंडी रही है और ये रिलीज के पहले दिन एक करोड़ की भी कमाई नहीं कर पाई है। फिल्म ने बमुश्किल चंद लाखों में कलेक्शन किया है। फिल्म का पहले ही दिन ये हाल है तो इसका आगे का भविष्य भी अधर में ही नजर आ रहा है। वैसे भी 'पुष्पा 2' के आगे 'वनवास' का टिकना नामुमकिन है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में फैमिली ड्रामा को दर्शक मिल पाते हैं या नहीं। वैसे ये आसान काम नहीं होगा क्योंकि क्रिसमस के दिन वरुण धवन की बेबी जॉन के आने से कंप्टीशन और ज्यादा बढ़ जाएगा।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे ठंडा शहर

-50 डिग्री तापमान, फिर भी लोगों को नहीं लगती है ठंड

सर्दियों का मौसम चल रहा है। कई जगहों पर कड़ाके की ठंड पड़ना शुरू हो गई है। हमारे देश में दिसंबर-जनवरी में तापमान 3-4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर जाता है तो लोग कांपना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि धरती पर कई ऐसी जगहें भी हैं, जहां इससे भी कई गुना ज्यादा ठंड पड़ती है। कहीं झील का पानी भी बर्फ बन जाता है, तो कहीं दूर-दूर तक सिर्फ ग्लेशियर ही दिखाई देते हैं। आज हम आपको दुनिया के सबसे ठंडे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां तापमान माइनस 50 डिग्री तक रहता है। यह शहर रूस के सुदूर पूर्व में स्थित साइबेरिया का इलाका है। इस शहर का नाम है याकुत्स्क, जहां इन दिनों पारा माइनस 50 डिग्री सेल्सियस है।

याकुत्स्क के लोगों का कहना है कि यहां जनवरी सबसे ठंडा महीना होता है। ऐसे में यहां के लोग इस खतरनाक ठंड से बचने के लिए दो स्कार्फ, दो जोड़े दस्ताने, कई टोपियां, हुड्स और जैकेट्स पहनकर रहते हैं। साथ ही यहां के लोगों का कहना है कि या तो इस सर्दी से संघर्ष करो या एडजस्ट करो। हालांकि, यहां के लोग इस सर्दी के आदी हो चुके हैं। सर्दी से बचने के लिए लोग तरह-तरह के कदम उठाते रहते हैं। बर्फीले कोहरे से ढंके याकुत्स्क को देखते हुए यहां के लोगों का कहना है कि आपको यहां ठंड महसूस नहीं होगी। इसकी वजह यह है कि इतनी सर्दी की वजह से शरीर लगभग सुन्न हो जाता है। जब तक आप शरीर को सामान्य करते हैं या फिर दिमाग

सामान्य होता है, तब तक शरीर इस तापमान के साथ एडजस्ट कर लेता है। बशर्ते आपने अच्छे गर्म कपड़े पहने हों।

यहां के लोगों का कहना है कि वास्तव में शहर में ठंड महसूस नहीं होती है। यह भी हो सकता है कि सिर्फ दिमाग में सोच कर रखा जाता है कि हम इसके लिए तैयार है, जिसके बाद लगने लगता है कि सब कुछ सामान्य है। एक अन्य निवासी नर्गुसुन स्टारोस्टिना बाजार में दिखाई दीं, जो कि फ्रोजेन फिश बेच रही थीं। उस फिश को फ्रिज तक में नहीं रखा गया था। उन्होंने कहा कि ठंड से निपटने के लिए कोई विशेष रहस्य नहीं हैं। बस गर्म कपड़े पहनने चाहिए, जैसे परतों में गोभी लिपटी हुई होती है।

आमतौर पर देखा जाता है कि माइनस 20 डिग्री पर नाक के नथुने में बर्फ जमने लगती है और ठंडी हवा के चलते खांसना भी मुश्किल होने लगता है। माइनस 35 डिग्री पर हवा इतनी ठंडी हो जाती है त्वचा सुन्न पड़ जाती, जिससे शीतदंश का लगातार खतरा बना रहता है। वहीं माइनस 45 डिग्री पर चश्मा पहनना भी मुश्किल हो जाता है। वह गालों से चिपक जाता है और जब आप उसे हटाने का सोचते हैं तो त्वचा तक बाहर आ जाती है।

विश्व के सबसे अधिक ठंड पड़ने वाले गांव क नाम है ओयमयको, जो कि साइबेरिया में है। इस गांव का औसत तापमान-58 डिग्री सेल्सियस ही रहता है। इसी कारण यह गांव दुनिया का सबसे ठंडा स्थान माना जाता है। आप विश्वास नहीं करेंगे की ओयमयको गांव का वर्ष 1933 में निनतम तापमान -67.7 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया था। ओयमयको गांव कम आबादी वाला गांव है। इस गांव में लगभग 500 लोग ही रहते हैं। ये लोग खेती और पशुपालन पर ही निर्भर रहते हैं। ओयमयकों गांव के लोगों को जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। माइनस 58 डिग्री सेल्सियस में आप नलों से पानी लेने के बारे में सोच भी नहीं सकते। यहां आप अगर पानी को हवा में उछालेंगे तो पानी हवा में बर्फ बन कर ही नीचे आएगा। ओयमयको गांव में गाड़ी चलाने से पहले उसे हीट वाले गैराज में रखना पड़ता होता है।

दुनिया की 3 सबसे बड़ी बैंक नोट, साइज है इतना ज्यादा, वॉलेट तक में नहीं होती फिट!

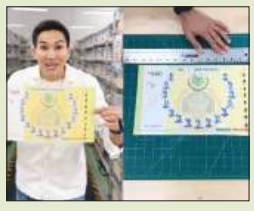

2016 में जब भारत सरकार ने 1000 और 500 के नोट बदले और नए नोट चलाए थे, लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि साइज में छोटे नोट ज्यादा हैंडी होते हैं। बड़े नोट को कैरी करना थोड़ा मुश्किल होता है। हालांकि, उसे फोल्ड कर के पर्स या वॉलेट में रखने का भी एक विकल्प होता है, पर कई लोग नोट को सीधे-सीधे ही अपने वॉलेट में डालना पसंद करते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में 3 ऐसी बैंक नोट है, जो इतनी बड़ी है कि वो वॉलेट में फिट ही नहीं होगी। इसका साइज देखकर आप हैरान हो जाएंगे। इंस्टाग्राम अकाउंट @banknote_world ÂÚU अक्सर रुपये-पैसों से जुड़े रोचक वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। हाल ही में दुनिया के सबसे बड़े बैंक नोट से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें 3 सबसे बड़ी नोट्स दिखाई गई हैं। इससे पहले शायद ही आपने इतनी बड़ी नोट्स देखी होंगी। वीडियो में शख्स सबसे पहले जिस नोट को दिखाता है, वो तीसरी सबसे बड़ी नोट है। ये फीजी देश की है, जिसका मूल्य है 2 हजार फीजी डॉलर (36.61 रुपये)। ये एक स्पेशल नोट है जिसे साल 2000 में नई सदी की शुरुआत के उपलक्ष में लॉन्च किया गया था। दूसरी सबसे बड़ी बैंक नोट फिलिपीन्स की है। इसका मूल्य 1 लाख फिलिपीन पेसोस (1.4 लाख रुपये) है। ये नोट साल 1998 में इशू की गई थी। नोट को फिलिपीन्स के 300वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जारी किया गया था। नोट पर एतिहासिक दृश्य बने हुए थे। अब बात करते हैं सबसे बड़ी नोट की। दुनिया की सबसे बड़ी बैंट नोट मलेशिया की है। इसका मूल्य 600 रिंगिट (11,900 रुपये) है। ये नोट लंबाई में 22 सेंटीमीटर और चौड़ाई में 35 सेंटीमीटर की है। ये नोट मलेशिया के 60वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए 2017 में इशू हुई थी। नोट के सामने देश के 15 राजाओं की फोटो है। ये सारी नोट बहुत दुर्लभ हैं और कई बार इनको बेचकर लोगों की अच्छी कमाई हो जाती है। इस वीडियो को 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने पूछा कि वो कैसे इन नोट को हासिल कर सकता है? एक मलेशियन शख्स ने कहा कि उसे भी नहीं पता था कि उनके देश में दुनिया की सबसे बड़ी नोट है। एक ने कहा कि ये नोट्स काफी खूबसूरत हैं।

मोदी को क्यों नहीं समझाते भागवत : दिग्विजय सिंह

» कांग्रेस नेता बोले- एक साथ चुनाव का विधेयक संसद में पारित होने की संभावना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगर मालवा (मध्य प्रदेश)। मप्र के पूर्व सीएम व कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर हम ऐसे लोगों की बात करते हैं जो हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर बात करके नेता बनना चाहते हैं तो उनके सामने सबसे बड़ा सबूत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। वह उन्हें (मोदी को) क्यों नहीं समझाते? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर चिंता व्यक्त करते हुए हाल में कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को ऐसा लग रहा है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। सिंह ने भागवत के बयान को लेकर किए गए सवाल के जवाब में ये बाते कहीं।

वहीं दिग्विजय सिंह ने कहा है कि उन्हें संसद में एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक पारित हो पाने को लेकर संशय है। एक राष्ट्र, एक चुनाव (ओएनओई) संबंधी दो विधेयक एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था प्रदान करते हैं और इन्हें मंगलवार को लोकसभा में तीखी बहस के बाद पेश किया गया। इनमें से एक विधेयक के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता है। दिग्विजय सिंह ने ओएनओई विधेयक पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कहा, जेपीसी गठित की गई है और मुझे नहीं लगता कि यह पारित हो पाएगा।

झूठ बोलती है बीजेपी

दिल्ली पुलिस ने संसद परिसर मे हुई धक्का-मुक्की के सिलसिले मे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज की थी। कांग्रेस ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा सांसदो ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को धक्का दिया और गांधी के साथ धक्का-मुक्की की। भाजपा सांसदो के साथ धक्का-मुक्की करने को लेकर गांधी पर लगाए गए आरोपो के बारे मे पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि ए आरोप पूरी तरह से झूठे है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ए सरासर झूठे है। भाजपा नेताओ के बीच धक्का-मुक्की हुई। उन्होने कहा, एक भाजपा सांसद दूसरे पर गिर गया। दोनो घायल हो गए। जो गिरा, उसने कहा कि राहुल गांधी उसके सामने खड़े थे। अगर वह सामने खड़े थे, तो क्या वह उसे धक्का दे सकते थे?

चुनावी पर्यटन यात्रा पर निकले हैं सीएम नीतीश : सुधाकर सिंह

» राजद नेता बोले- एनडीए सरकार में संघर्ष कर रहे नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बक्सर के सांसद और राष्ट्रीय जनता दल के नेता सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कल से शुरू होने वाले यात्रा पर जमकर बोला। सुधाकर सिंह ने कहा कि यह उनकी चुनावी पर्यटन यात्रा है। आज एनडीए में नीतीश कुमार अपने भूमिका को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। वैसे भी इस यात्रा का बिहार के प्रगति से कोई लेना-देना नहीं है। राजद के बक्सर सांसद सुधाकर सिंह रोहतास जिले के दावथ में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यात्रा पर जमकर अपनी भड़ास निकाली।

सुधाकर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा का अगर अर्थ निकालेंगे तो पाएंगे कि वे चुनावी पर्यटन यात्रा पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए में मुख्यमंत्री की भूमिका पर ही विवाद है। अमित शाह द्वारा लगातार कहा जा रहा है कि हम चुनाव के बाद नेता तय करेंगे, लेकिन जदयू के लोग अभी नेता तय करने की बात कह रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री की यात्रा का विकास से कोई लेना देना नहीं और वह चुनावी पर्यटन पर जा रहे हैं। वहीं यात्रा का नाम बदलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जिस गठबंधन में है वे नाम बदलने में हीं विश्वास रखते हैं और इनके द्वारा कई योजनाओं से लेकर कार्यक्रमों का नाम बदला गया है।

भारत के संविधान में नहीं है बीजेपी को विश्वास

इधर गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर छिड़े घमासान को लेकर बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि देश के संविधान और भीमराव अंबेडकर के प्रति जो भाजपा की कुंठा थी वो उजागर हो चुकी है। इन लोगों ने कभी भारत के संविधान में विश्वास नहीं किया और ये लोग भारत की आजादी को भी नकारते रहे हैं। इसलिए देश की संसद में अमित शाह एवं उनकी पार्टी की संविधान के प्रति नफरत साफ साफ दिखाई दी।

विभागों के आवंटन पर कुछ लोग नाखुश : अजित

» बोले- जल्द शुरू होगा लंबित परियोजनाओं पर काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बारामती (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की अधिक संख्या और उनमें से प्रत्येक को विभाग आवंटित करने की सीमा को स्वीकार करते हुए कहा कि कुछ सदस्य स्वाभाविक रूप से खुश नहीं हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विभागों का आवंटन किए जाने के एक दिन बाद अजित पवार ने कहा कि लंबित परियोजनाओं पर काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। राकांपा के प्रमुख ने अपने निर्वाचन क्षेत्र बारामती में एक रोड शो का नेतृत्व किया और अभिनंदन कार्यक्रमों में भाग लिया।

पवार ने कहा, चूंकि मंत्रियों की संख्या अधिक है, इसलिए फडणवीस को प्रत्येक मंत्री को एक विभाग देना ही था। जाहिर है, कुछ लोग खुश हैं और कुछ नहीं। उन्होंने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल में केवल छह राज्य मंत्री शामिल हैं, जबकि बाकी 36 कैबिनेट मंत्री हैं। वित्त मंत्रालय को बरकरार रखने वाले उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद कई परियोजनाओं पर काम अस्थाई रूप से रोकना पड़ा था। चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए थे। अजित पवार ने कहा, हमें लंबित परियोजनाओं के बारे में कई पत्र मिले हैं। हमें कुछ समय दीजिए, हर काम पूरा हो जाएगा।

'लूट मचाकर सरकारी खजाना भरना चाहती है केंद्र सरकार'

» सोशल मीडिया पर आई मीम की बाढ़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में सरकार की ओर से कई फैसलों पर मुहर लगाई गई। सरकार ने पुरानी गाड़ियों से लेकर पॉपकॉर्न तक पर जीएसटी लगाने की घोषणा कर डाली। इस फैसले के बाद एनडीए सरकार आम जनों के निशाने पर आ गई। वहीं सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा बहस छिड़ी पॉपकॉर्न पर लगे जीएसटी को लेकर, जहां यूजर्स ने सरकार के इस फैसले के जमकर मजे लिए और क्रिटिसिज्म की सीमाएं पार कर डाली।

कुछ यूजर्स ने इस पर सरकार का बचाव भी किया तो कुछ ने इसे खुलेआम लूट कहा। लोगों ने कहा कि सरकारी खजाने इज्जत से भी भरे जा सकते हैं, लेकिन सरकार लूट मचाकर इन्हें भरना चाहती है। सबसे ज्यादा चोट थिएटर में जाकर फिल्म देखने वाले लोगों को पहुंची, जो हर हफ्ते एक फुल पॉपकॉर्न का पैक लेकर थिएटर में फिल्म के मजे लेते हैं।

पॉपकॉर्न पर कई तरह का टैक्स लगने पर भड़के यूजर्स

लोग बोले- सांस लेने पर कब से लगेगा जीएसटी

जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में फैसला लेते हुए पॉपकॉर्न पर कैटेगरी वाइज जीएसटी लगाया था, जिसके बाद नेटीजंस ने इंटरनेट पर हल्ला काट दिया था। खबर जैसे ही फैली लोगों ने इस पर मीम बनाने शुरू कर दिए, किसी ने कहा कि पॉपकॉर्न खरीदने से पहले जीएसटी स्लैब की पढ़ाई करनी पड़ेगी तो किसी ने कहा कि अब सांस लेने पर जीएसटी लगने की देर है, एक और यूजर ने लिखा कि कैरेमलाइज्ड पॉपकॉर्न पर 18 प्रतिशत जीएसटी ऐसा है मानों इसे सुनार की दुकान पर बेचा जाने लगेगा।

पॉपकॉर्न को राजा घोषित कर दिया जाए

सोशल मीडिया पर पॉपकॉर्न को लेकर मीम की बाढ़ आ गई, लोगों ने पॉपकॉर्न का असली इज्जत का हकदार बताया तो कुछ ने कहा कि पॉपकॉर्न कंपनियों को बगैर प्रचार के ही इतनी प्रसिद्धि मिल गई है। एक और यूजर ने लिखा कि पॉपकॉर्न अब सभी सैक्स का सरदार बन गया है, लिहाजा इसे फूड इंडस्ट्री का राजा घोषित कर दिया जाए।

भारत ने इंडीज को 211 रन से हराया

» पहले वनडे में मंधाना और रेणुका सिंह चमकीं

» हरमनप्रीत कौर ने गांगुली-धोनी के क्लब में मारी एंट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे मैच में 211 रन से हरा दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। बता दें कि, वडोदरा में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की 91 रनों की दमदार पारी की बदौलत 50 ओवर में नौ विकेट पर 314 रन बनाए।

यह वनडे में टीम का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में मेहमान टीम 26.2 ओवर में 103 रन के स्कोर पर ही ढेर हो गई। मेजबानों के लिए रेणुका सिंह ने पांच विकेट लिए। 315 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज शुरुआत से ही कमजोर नजर आई। पहली ही गेंद पर कियाना जोसेफ रन आउट हो गईं। मैथ्यूज बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। विलियम्स (03) और डॉटिन (08) भी 11 के स्कोर पर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद विंडीज की टीम उबर नहीं पाई। रेणुका के पांच विकेट के अलावा प्रिया मिश्रा ने 22 रन पर दो विकेट लिए। वहीं हरमनप्रीत कौर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में 34 रन बनाकर इतिहास रच दिया। वह वनडे में कप्तान के तौर पर 1000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाली 10वीं भारतीय बल्लेबाज बन गई हैं। कौर से पहले मेंस क्रिकेट में धोनी, कोहली, अजहरुद्दीन, गांगुली, द्रविड़, तेंदुलकर, रोहित और कपिल देव ने यह उपलब्धि हासिल की है। इसके अलावा मिताली राज के बाद वह दूसरी भारतीय महिला कप्तान बनीं हैं, जिन्होंने यह खास उपलब्धि हासिल की।

चैंपियंस ट्रॉफी: दुबई में होंगे भारत के मैच

नई दिल्ली। अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पहले ही इस टूर्नामेंट के हाइब्रिड मॉडल में आयोजन की जानकारी दे चुका है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि भारत अपने सभी मुकाबला दुबई में खेल सकता है। वहीं, अगर रोहित शर्मा एंड कंपनी सेमीफाइनल और फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब होती है तो भी वह अपने सभी मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ही खेलेगी। पीसीबी से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और उनके यूएई समकक्ष शेख नाह्यान अल मुबारक के बीच बैठक के बाद दुबई को तटस्थ स्थल के रूप में चुना गया है। आईसीसी ने अब तक चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। आईसीसी ने बताया कि जल्दी ही आगामी टूर्नामेंट के कार्यक्रम का एलान किया जाएगा।

फोटो: सुमित कुमार

आक्रोश गृहमंत्री अमित शाह द्वारा सदन में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध में आम आदमी पार्टी ने आज राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा के पास कोई योजना नहीं : केजरीवाल

» बोले- दिल्ली के लोगों से नफरत करती है बीजेपी

» विस चुनाव को लेकर आप पर हमलावर हुई भाजपा-कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

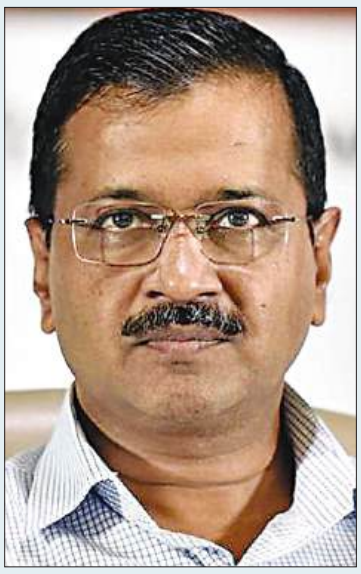

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर राजधानी में सियासत जारी रही है। आप और भाजपा दोनों एक-दूसरे को घेरने में लगे हैं। कांग्रेस भी इसमें पीछे नहीं हैं। उधर आप की घोषणाओं से बीजेपी घबराकर आप पर हमलावर हो गई है। भाजपा का आरोप है कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के लिए महिला व बुजुर्गों का सम्मान योजना महज एक चुनावी जुमला है।

केजरीवाल ने हर बार की तरह एक बार फिर झूठ का पुलिंदा लोगों के सामने रखा है, पर यह झूठ अब बासी हो गई है। इसलिए दिल्ली के लोग अब इनके झांसे में नहीं आने वाले हैं। दिल्ली के लोगों से नफरत करती है भाजपा पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने सवाल किया कि यह कैसी राजनीति है? दिल्ली के लोगों से उन्हें इतनी नफरत क्यों है? दिल्ली के लोग उन्हें वोट क्यों दें? केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा के पास दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कोई योजना नहीं है। वह सिर्फ केजरीवाल और आप को गाली देते हैं। 26 जनवरी की परेड में दिल्ली की झांकी और लोगों को भाग लेने से क्यों रोका जा रहा है?

गणतंत्र दिवस परेड पर राजनीति कर रही केंद्र सरकार

गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली की झांकी शामिल न होने पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाया है। केंद्र सरकार पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है इस कारण हर साल परेड में यहां की झांकी शामिल होनी चाहिए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने अपने इस विवादित बयान से गणतंत्र दिवस की गरिमा का भी ध्यान नहीं रखा। इससे पहले भी उन्होंने 2014 में गणतंत्र दिवस से पहले रेल भवन पर धरना देकर गणतंत्र दिवस की गरिमा को तार-तार करने की कोशिश की थी।

आप जीत गई तब भी केजरीवाल नहीं बन सकते सीएम : संदीप दीक्षित

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला। दीक्षित ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में जेल से रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई जमानत शर्तों का हवाला देते हुए कहा कि केजरीवाल मुख्यमंत्री पद के लिए अयोग्य हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी शीर्ष पद के लिए किसी को भी चेहरा बना सकती है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि जब लोग वोट देने जाएं तो उन्हें पता होना चाहिए कि वे एक विधायक को चुनने जा रहे हैं न कि भावी दिल्ली के मुख्यमंत्री को, जिसके पास फैसलों को मंजूरी देने की शक्ति होगी। उन्होंने कहा कि मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि जिन शर्तों पर केजरीवाल को जमानत दी गई है, उन्हें देखते हुए वह फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते या कार्यालय नहीं जा सकते।

लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाना चाहते हैं पूर्व सीएम : सचदेवा

केजरीवाल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि परेड में राज्य विशेष की झांकी को शामिल करने का फैसला एक समिति करती है। झांकियों की संख्या भी सीमित होती है, केजरीवाल को भी इसकी जानकारी है। फिर भी दिल्ली चुनाव में वह लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। सचदेवा ने सवाल किया कि वह बताएं कि झांकी में आखिर वह दिखाना क्या चाहते हैं? दिल्ली की टूटी सड़कें या जलजमाव में डूबने से 62 लोगों की मौत की दर्दनाक कहानी? क्या वह यह दिखाना चाहते हैं कि लोगों के घर गंदा पानी आ रहा है या वह यमुना, जिसमें बीते 10 सालों से डुबकी लगाने की वह बात कर रहे हैं? सचदेवा ने कहा कि अगर उनको लगता है कि दिल्ली की कोई झांकी 26 जनवरी में शामिल करनी चाहिए तो पहले वह शीशमहल की झांकी सबको दिखाएं, जो उनके भ्रष्टाचार का परिचय दे रही है।

7000 करोड़ रुपये के घाटे में आप सरकार का बजट, योजनाओं का कैसे देंगे लाभ : बांसुरी स्वराज

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने 2100 रुपये प्रति माह महिलाओं के खाते में देने की बात कही है। उन्होंने लोकसभा के चुनाव से पहले भी 1000 रुपये प्रतिमाह महिलाओं को देने की घोषणा की थी, फार्म भी भरवाए थे, पर दिया एक रुपया भी नहीं। केजरीवाल ने पंजाब में 2022 में इसी तरह की योजना की घोषणा की थी, लेकिन 2024 दिसंबर तक वहां की किसी भी बहन, महिला के खातों में पैसे नहीं पहुंचा।

फोटो: 4पीएम

पूछताछ लखनऊ। प्रदर्शन के दौरान हुई प्रभात पांडे की मौत के मामले में हुसैनगंज थाने में अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और सांसद केएल शर्मा व अनिल यादव।

अल्लू अर्जुन के घर पर तोड़फोड़ करने वालों को कोर्ट ने दी जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। अभिनेता अल्लू अर्जुन के जुबली हिल्स स्थित घर में कल (22 दिसंबर) तोड़फोड़ करने वाले छह आरोपियों को जमानत मिल गई है। आज सुबह उन्हें हैदराबाद कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी।

डीसीपी वेस्ट जोन, हैदराबाद के अनुसार कल शाम कुछ लोग प्लेकार्ड लेकर अचानक अल्लू अर्जुन के घर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। इनमें से एक व्यक्ति ने कंपाउंड पर चढ़कर टमाटर फेंकने शुरू कर दिए। जब सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें दीवार से उतरने को कहा और मना किया, तो उनकी बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद गुस्साए लोग दीवार से नीचे उतरे और सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट की और रैंप पर रखे कुछ फूलों के गमले तोड़ दिए। आरोपियों का कहना है कि वो वहां शांति से प्रदर्शन करने गए थे। उन्होंने अपने बचाव में तोड़फोड़ की। साथ ही, एक आरोपी की तस्वीर सीएम रेवंत रेड्डी के साथ वायरल है। बीआरएस नेता कृषांक ने आरोप लगाया है कि रेड्डी श्रीनिवास 2019 के जिला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र (जेडटीपीसी) चुनावों में रेवंत रेड्डी और कोडंगल कांग्रेस उम्मीदवार के करीबी सहयोगी थे।

जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही भाजपा : डी.के. शिवकुमार

» भाजपा नेता सीटी रवि ने महिला मंत्री पर की थी अभद्र टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा भाजपा नेता और एमएलसी सी.टी. रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा करके पार्टी एक महिला मंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक का इस्तेमाल करने के मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

अंतरात्मा की आवाज' को महत्वपूर्ण करार देते हुए उन्होंने राज्य में भाजपा नेतृत्व पर रवि का समर्थन करने के लिए निशाना साधा, जिन्हें राज्य की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रवि की रिहाई के उच्च न्यायालय के आदेश से संबंधित एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उनसे (भाजपा से) पूछिए कि उन्होंने (रवि) जो कहा वह सही था या नहीं। बाकी चीजों पर बाद में चर्चा करेंगे। यह उनकी पार्टी और नेता की संस्कृति को दर्शाता है... अदालत में जो हुआ, उसे उन पर (रवि) और पुलिस पर छोड़ दिया गया है। मुख्य मुद्दा उनकी और उनकी संस्कृति है।'' उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि रवि ने अतीत में कई लोगों के खिलाफ अपमानजनक का इस्तेमाल किया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।